



## डायरिया रोको अभियान

### चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य विभाग 1 जुलाई, 2024 को 'डायरिया रोको' अभियान शुरू करने जा रहा है।

### ?????? ??????:

- वर्षा ऋतु में दूषित जल के जमा होने से वायरल, बैक्टीरियल और परजीवी संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।
- ऐसी स्थिति में बच्चों को डायरिया हो सकता है जिससे नरिजलीकरण (Dehydration) की समस्या बढ़ जाती है। यह बीमारी संदूषित भोजन और जल के माध्यम से फैलती है।
- **आशा कार्यक्रम** घर-घर जाकर डायरिया से पीड़ित बच्चों के परिवारों को **ORS घोल** बनाने की विधि सिखाएंगी
- वे **ORS और ज़िकि** के उपयोग के लाभों के साथ-साथ साफ-सफाई और स्वच्छता के बारे में भी जानकारी देंगे।
- शहरी मलनि बस्तियों, दूर-दराज़ के क्षेत्रों, खानाबदोशों, निर्माण कार्य में लगे मज़दूरों के परिवारों और ईंट भट्टों पर रहने वाले परिवारों जैसे **संवेदनशील क्षेत्रों** पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

### डायरिया रोग

- डायरिया को प्रतिदिन तीन या अधिक बार पतला या तरल मल त्यागने (या किसी व्यक्ति के लिये सामान्य से अधिक बार मल त्यागने) के रूप में परिभाषित किया जाता है।
- डायरिया से उत्पन्न सबसे गंभीर खतरा नरिजलीकरण (Dehydration) है।
  - डायरिया के दौरान, **जल और इलेक्ट्रोलाइट्स (सोडियम, क्लोराइड, पोटेशियम और बाइकार्बोनेट)** तरल मल, उल्टी, पसीने, मूत्र तथा श्वास के माध्यम से नष्ट हो जाते हैं।
  - जब इन क्षतियों की पूर्त नहीं की जाती तो नरिजलीकरण हो जाता है।